

राजधानी जयपुर में धार्मिक आस्था पर एक माह में दूसरी बार हमला

लालकोठी सब्जी मंडी के पास शिव मंदिर में असामाजिक तत्वों ने मूर्तियां खंडित कीं

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजधानी जयपुर के बजाज नगर थाना इलाके में स्थित लाल कोठी सब्जी मंडी के पास शुक्रवार देर रात कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा एक शिव मंदिर की मूर्तियों को खंडित (तोड़फोड़) करने की घटना सामने आई है। शनिवार सुबह श्रद्धालुओं ने खंडित मूर्तियों को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। वहीं इसके बाद पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। लोगों ने इसे धार्मिक आस्था पर हमला बताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस के अधिकारियों से इस घटना की गलत बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

सहायक पुलिस आयुक्त (मालवीय नगर) आदित्य पुनिया ने बताया कि यह मंदिर सब्जी मंडी सहकार मार्ग के पास स्थित है। जहा एक अज्ञात शख्स शक्रवार देर रात मंदिर में घुसा और शिव परिवार की तीन-चार मूर्तियों को तोड़कर उन्हें क्षितग्रस्त कर दिया। नंदी की मूर्ति भी टूटने की स्थिति में मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।



जयपुर के बजाज नगर थाना इलाके में स्थित लाल कोठी सब्जी मंडी के पास शुक्रवार देर रात कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने एक शिव मंदिर की मूर्तियों को खंडित कर दिया।

पुलिस की कई टीमें आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश

इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सिर्फ मूर्तियों को नुकसान

- पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल छाया, आरोपियों की गिरफ्तारी की पुर्जोर मांग
- शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात, पुलिस ने की लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

दुकानदारों व श्रद्धालुओं ने जताया विरोध

वहीं मंदिर में शिव परिवार की मूर्तियां खंडित करने की घटना की खबर फैलते ही स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं ने विरोध जताया और अपनी दुकानें बंद कर पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की गई।

सीसीटीवी फुटेज से कुछ लगे सुराग हाथ

एसीपी पुनिया ने बताया कि गोकुल सेनी ने बजाज नगर थाने में इस संबंध में शिकायत दी है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का

धूमधाम से मनाया बजरंग बली का जन्मोत्सव



हनुमंत शोभायात्रा समिति की ओर से हनुमान जयंती पर 38वीं शोभायात्रा न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान से गाजेबाजे और लवाजमे के साथ रवाना हुई।



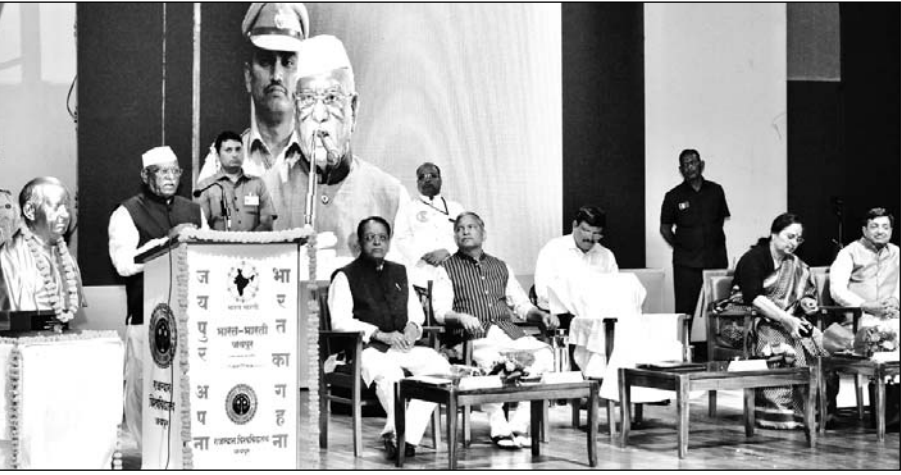
शोभायात्रा में विदेशी सैलानियों ने भगवान की फोटो अपने मोबाइल में ली। वहीं राम-सीता बने पात्रों ने भी सैलफी लेने का आनंद लिया।

जयपुर। ज्ञानियों में अग्रगण्य और अतुल बलशाली होते हुए भी स्वयं को प्रभु श्रीराम के चरणों का दास मानने वाले वीर बजरंग बली का जन्मोत्सव चैत्र पूर्णिमा शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। छोटीकाशी स्थित हनुमान जी महाराज के सभी मंदिरों में सुबह से देर रात धार्मिक आयोजनों की धूम रही। विशेष झांकियां सजाई गईं। रंगीन रोशनी और फूलों से सजे हनुमान मंदिरों में शाम की श्रद्धालु उमड़ पड़े। परिवार सहित पहुंचे भक्तों ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया। इससे पूर्व सुबह हनुमानजी का वेद मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया गया। सिंदूरी चोला धारण करकर नवीन पोशाक धारण कराई गई। ऋतु पुष्पों से मनोरम श्रृंगार कर महाआरती की। जयपुर के कुल देवता के रूप में पूजित घाट के बालाजी मंदिर में स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज के सान्निध्य में महाआरती की गई। सैकड़ों की संख्या में दीप प्रज्वलित किए गए। इससे पूर्व हनुमान जी का अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया गया। नवीन पोशाक धारण करकर विशेष श्रृंगार किया गया। स्वामी सुदर्शनाचार्य ने बताया कि बड़ी

संख्या में श्रद्धालुओं ने यहां हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया। इस मौके पर हनुमत यज्ञ भी हुआ। चांदपोल हनुमान, सांगनेरी गेट स्थित पूर्व मुखी-पश्चिमी मुखी हनुमान मंदिरों में सुबह से देर रात भक्तों का तांता लगा रहा। तीनों मंदिरों में हनुमान जी महाराज की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर में महंत गोपालदास के सान्निध्य में हनुमत जन्मोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। युवाचार्य पं. योगेश शर्मा ने बताया कि संगीतमय सुंदरकांड पाठ के बाद छपन भोग की झांकी सजाई गई। पवनपुत्र का मनमोहक शृंगार किया गया। भजन संध्या भी हुई। बड़ी संख्या में पदयात्राएं मंदिर पहुंचीं। लक्ष्मण दूंगरी स्थित खोले के हनुमान जी मंदिर में हनुमान जी का 108 औषधि द्रव्यों, विभिन्न तीर्थों के जल, फलों के रस से अभिषेक कर षोडशोपचार पूजन किया गया। कोलकाता के विशेष आर्किड, टाटा रोज और एन्थोरियम के फूलों से मनोरम श्रृंगार किया गया। करीब 200 किंवदंत फूलों से सजावट की गई। हनुमान जी महाराज को 61

किलो चांदी की पोशाक धारण कराई गई। मध्याह्न में जन्मआरती हुई। सभी भक्तों का लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया। हाथोज के दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर में महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य के सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। सुह्र ब्रह्म मुहूर्त में पंचामृत अभिषेक के बाद फूल बंगला झांकी सजाई गई। झांकी रात बारह तक भक्तों के लिए खुली रही। सुबह से दोपहर तक संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुए। विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पदयात्रा के रूप में मंदिर पहुंचे। सभी पदयात्रियों का सम्मान किया गया। शाम को भजन संध्या में पवन पुत्र का गुणगान किया गया। हनुमंत शोभायात्रा समिति की ओर से हनुमान जयंती पर 38 वीं शोभायात्रा न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान से गाजेबाजे और लवाजमे के साथ रवाना हुई। संयोजक ध्रुवदास अग्रवाल और अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल ने बताया कि फूलों से सुसज्जित मुख्य रथ में विराजमान हनुमान लला के दर्शनों के लिए लोगों में होड़ सी रही। शोभायात्रा में झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही।

राजस्थान स्थापना दिवस तिथि से मनाना महत्वपूर्ण : राज्यपाल



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को भारत-भारती संस्था द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को भारत-भारती संस्था द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि राजस्थान गौरवमय इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं का प्रदेश है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान दिवस को भारतीय पंचांग से मनाने की घोषणा कर उसकी

शुरुआत करने की सराहना की तथा कहा कि भारतीय संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण कदम है। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान की स्थापना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हुई उस दिन अंग्रेजी तारीख 30 मार्च का दिन था। उन्होंने लोहपुरख सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि रियासतों के एकीकरण से आज के राजस्थान की

स्थापना की। उन्होंने राजस्थान के इतिहास और गौरव में संस्कृति की चर्चा करते हुए महाराणा प्रताप, महाराणा सांगा जैसे वीरों को भी याद किया। राजस्थान रंगो की अनुपम धरा है। विविधता लिए यहां के अलग-अलग परम्परा और वहां की सांस्कृतिक अचलमोहों, तीज-त्योहार, उत्सव और पर्व इसकी धरोहर हैं।

गोपालगढ़ साम्प्रदायिक दंगा प्रकरण में नियमित सुनवाई शुरू

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से सांसदों और विधायकों से जुड़े अपराधिक मामलों की सुनवाई जल्द कर उनका निराकरण करने के निर्देश के बाद भरतपुर के गोपालगढ़ सांप्रदायिक दंगा मामले में भी नियमित सुनवाई आरंभ हो गई है। मामले की सुनवाई जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम- 4 में हो रही है। अदालत एक दिन छोड़कर एक दिन इस मामले की सुनवाई करेगा। एडीजे कोर्ट में मामले की आगामी सुनवाई 17 अप्रैल को रखी गई है।

इस मामले में फिलहाल अभियोजन पक्ष की ओर से बयान दर्ज

कराए जा रहे हैं। जिसमें 65 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। प्रकरण में कुल 62 आरोपी थे, जिनमें से 6 आरोपियों की मौत हो चुकी है और तीन आरोपी कोर्ट से जमानत मिलने के बाद फरार चल रहे हैं। प्रकरण में सीएम भजनलाल शर्मा, पूर्व मंत्री जाहिदा खान, जमशेद खान, प्रमोद शर्मा, जवाहर सिंह बेदम, केसरी सिंह, गिरधारी तिवारी सहित अन्य आरोपियों को सत्रांग अग्रिम जमानत मिली हुई है। गौरतलब है कि 14 सितंबर 2011 को हुई भरतपुर के गोपालगढ़ में हुई इस सांप्रदायिक हिंसा की घटना में 10 व्यक्तियों की मौत हुई थी और 45 लोग घायल हो गए थे।

‘बिहार दिवस के उपलक्ष्य में स्नेह मिलन समारोह आज’

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बिहार दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को राजधानी जयपुर में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत प्रवासी लोगों के लिए स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि भाजपा की ओर से सी-स्क्रीन स्थित महावीर स्कूल सभागार में बिहार दिवस के उपलक्ष्य में स्नेह मिलन समारोह मनाया जाएगा। शाम 5 बजे से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद रहेंगे।

डिजास्टर मेडिसिन में भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाएगा पतंजलि : स्वामी रामदेव

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में “जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन एवं आपदा औषधि” विषय पर आयोजित हो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आज शुभारंभ हुआ। इस कार्यशाला का आज देशों के अंतरराष्ट्रीय छातिप्राप्त वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। कार्यशाला में स्पेन विश्वविद्यालय के प्रो. रूबेन, इटली से विश्व बैंक के आपदा औषधि समूह के अध्यक्ष प्रो. रोबर्टो मुगावेरो, नॉर्वे विश्वविद्यालय के प्रो. बी. सितौला तथा नेपाल आपदा प्रबंधन केंद्र के वैज्ञानिक प्रो. बी. अधिकारी ने भाग लिया।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय में ‘डिजास्टर मेडिसिन, मैनेजमेंट एंड क्लाइमेट चेंज’ को लेकर अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की स्थापना एवं लोकार्पण की किया गया। साथ ही, विश्वविद्यालय में पेटेंट सेल की भी स्थापना की गई।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्वविद्यालय योगाध्यक्ष स्वामी रामदेव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, यह केंद्र भविष्य में वैश्विक स्तर पर आपदाओं व उनसे उत्पन्न त्रासदी से निपटने में सहायक सिद्ध होगा। पतंजलि ने हमेशा हर आपदा में मानवता और समाज सेवा की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई है- चाहे वह सुनामी रही हो, बिहार की बाढ़, या केदारनाथ की त्रासदी। पतंजलि की शक्ति, सोच और भावना का ही परिणाम है कि हम हर आपदा में सबसे पहले सहायता पहुंचाने वालों में शामिल होते हैं। उन्होंने भारतीय व सनातन संस्कृति से आपदा प्रबंधन की शिक्षा लेने पर भी बत दिया।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि, यह अंतरराष्ट्रीय



पतंजलि विश्वविद्यालय में “जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन व आपदा औषधि” पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में स्पेन विश्वविद्यालय के प्रो. रूबेन, इटली से विश्व बैंक के आपदा औषधि समूह के अध्यक्ष प्रो. रोबर्टो मुगावेरो, नॉर्वे विश्वविद्यालय के प्रो. बी. सितौला तथा नेपाल आपदा प्रबंधन केंद्र के वैज्ञानिक प्रो. बी. अधिकारी ने भाग लिया।

उत्कृष्टता केंद्र आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर आपदा प्रबंधन और जनकल्याण के लिए एक व्यवस्थित पहल करेगा। पतंजलि ने पूर्व में भी केदारनाथ त्रासदी, नेपाल भूकंप और बिहार की बाढ़ जैसी आपदाओं में अग्रणी भूमिका निभाते हुए मानवीय सेवा के कार्य किए हैं। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं उत्तराखंड स्टेट कार्डसिल फॉर साईंस एंड टेक्नोलॉजी (यूकोस्ट) के महानिदेशक डॉ. दूर्गेश पंत ने कहा कि आपदा प्रबंधन भारतीय संस्कृति के इकोसिस्टम में

समाहित है। उन्होंने आधुनिक विज्ञान, तकनीक और सकारात्मक सोच के समन्वय से आपदाओं और उनसे उत्पन्न त्रासदी से प्रभावी ढंग से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वर्ल्ड बैंक के भारत में प्रतिनिधि डॉ. आशुतोष मोहंती ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय दक्षिण एशिया का पहला संस्थान है जहाँ डिजास्टर मेडिसिन के क्षेत्र में गंभीर और संगठित पहल की गई है। उन्होंने पतंजलि विश्वविद्यालय की इस पहल की प्रशंसा करते हुए यह घोषणा की कि वर्ल्ड बैंक

द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन और डिजास्टर मेडिसिन के क्षेत्र में स्कॉलरशिप, फेलोशिप, पीएचडी अनुसंधान तथा स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम में भागीदारी का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। इस कार्यशाला के मुख्य संयोजक एवं पतंजलि विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. सत्येन्द्र मिश्राल ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली आपदाओं और उनके निराकरण हेतु भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार

■ केदारनाथ से बिहार तक, हर त्रासदी में मानवता के साथ खड़ा रहा पतंजलि : आचार्य बालकृष्ण

से बताया। प्रो. मिश्राल ने बताया कि यह कार्यशाला डीआरए इफ्राकोन, मैकाफेरी, मेगा प्लास्ट, टेक फैब तथा यूकोस्ट के सहयोग से आयोजित की गयी।

इस अवसर पर उत्तराखंड के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक समीर सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि आपदा प्रबंधन में जनसमुदाय की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है, जिससे आपदा से उत्पन्न त्रासदी को कम किया जा सके। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी को आपदा प्रबंधन के लिए मूल आधार बताया। वहीं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से दीपक कुमार पांडे ने भी आपदा प्रबंधन पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यवस्थित प्रशिक्षण, त्वरित प्रतिक्रिया और स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से किसी भी आपदा की तीव्रता को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है।

इस कार्यशाला में पंतजलि विश्वविद्यालय के कुलानुशासिका प्रो. (डॉ.) देवप्रिया, प्रति-कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल, कुलसचिव आलोक कुमार सिंह, कुलानुशासक आर्षदेव, डॉन अकादमी एवं रिसर्च डॉ. ऋत्विक बिसारिया, डॉ. अनुराग वार्ण्य, डॉ. वेदप्रिया, डॉ. बी.के. शर्मा, प्रो. पी.के. सिंह, डॉ. अजय चौरसिया, डॉ. राधिका नागरथ, डॉ. बी.डी. पाटनी तथा गणमान्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. निवेदिता शर्मा ने की।